इस विशेष प्रशिक्षण के लिए एएमयू का पहली बार चयन, करोड़ों रुपये आवंटित, एमएचआरडी ने चुने डीयू, बीएचयू समेत देश की प्रमुख यूनिवर्सिटी के 30 प्रोफेसर

एएमयू में देश के चुनिंदा प्रोफेसर सीख रहे शैक्षिक नेतृत्व की बारीकियां

05 सितंबर को होगा प्रशिक्षण सत्र का समापन, इसके बाद प्रशिक्षण को जाएंगे अमेरिका

हिन्दुस्तान विशेष

अलीगढ़ | प्रणव अग्रवाल

देशभर के प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रोफेसर आजकल एएमयू में प्रशासनिक बारीकियां सीख रहे हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण (लीडरशिप एकेडमिक प्रोग्राम) के लिए एएमयू का पहली बार चयन किया गया है। प्रशिक्षण में वैश्विक स्तर पर शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, छात्र समस्याओं का समय से समाधान और रैंकिंग सुधार पर फोकस है।

एमएचआरडी की ओर से पंडित मदनमोहन मालवीय नेशनल स्कीम के तहत देशभर की प्रमुख यूनिवर्सिटी से वरिष्ठ प्रोफेसर्स का चयन किया। इनको विशेष प्रशिक्षण देने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक मात्र यूनिवर्सिटी एएमयू के यूजीसी एचआरडी सेंटर को चुना है। साथ ही तीन करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है। इन प्रोफेसर्स को भविष्य में किसी बड़ी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर अथवा डायरेक्टर जैसे पद की कमान सौंपी जा सकती है। मंत्रालय की ओर से भेजे गए मास्टर ट्रेनर्स चयनित प्रोफेसर्स को प्रशिक्षण दे रहे हैं। ट्रेनर्स में एमएचआरडी से जुड़े हैदराबाद, दिल्ली, लखनऊ, अरुणाचल प्रदेश आदि बड़ी यूनिवर्सिटी के सीनियर प्रोफेसर्स शामिल हैं।

प्रोफेसर्स का इन मानकों के आधार पर हुआ चयन

- अधिकतम आयु 58 वर्ष
- अपने विषय में बेहतर रिसर्च
- स्कोपस (इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन) में 30 रिसर्च पेपर्स का प्रकाशन
- यूनिवर्सिटी स्तर पर तीन साल का प्रशासनिक अनुभव
- प्रोफेसर के रूप में आठ वर्ष का अनुभव

इन प्रमुख बिंदुओ पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

- अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में सुधार
- वैश्विक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार
- वैश्विक स्तर पर संस्थानों से बेहतर सामंजस्य बनाने
- छात्र समस्याओं का समय से कैसे समाधान करें
- फंडिंग एजेंसियों से कैसे वित्तीय सहायता मिले
- रिसोर्स को कैसे बढ़ाया जाए

एएमयू में प्रशिक्षण के बाद प्रोफेसर्स को अमेरिका में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका पूरा खर्च भी भारत सरकार उठाएगी। अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग सुधारने व विदेशी यूनिवर्सिटी से सामंजस्य स्थापित करने समेत विभिन्न बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए इस तरह का प्रशिक्षण सरकार का अच्छा कदम है। यह प्रशिक्षण भारतीय शिक्षा को ऊंचाइयों तक ले जाएगा।
-प्रो. जयंतनाथ त्रिपाठी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी।

इस कोर्स से उच्च शिक्षा के मैदान में गुणवत्ता आएगी। अमेरिका से प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस लौटने के बाद प्रोफेसर्स में और भी बेहतर बदलाव आएगा। जिसके आधार पर वह भारत में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे। **-प्रो. फायजा अब्बासी,** डिप्टी डायरेक्टर, यूजीसी, एचआरडी सेंटर।

लीडरशिप एकेडमिक प्रोग्राम के जरिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की पूर्ण संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग बढ़ने के साथ अन्य काफी सुधार होगा। सरकार की यह अच्छी पहल है। प्रशिक्षण में कई नई विधियां सीखने को मिली हैं।
-प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह, बीएचयू।

सरकार की यह पहल काफी हद तक कारगर होगी। एएमयू में प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहद प्रसन्नता हो रही है। यहां आने से पहले यहां को लेकर कई गलत धारणाएं मन में थीं। लेकिन एएमयू बिरादरी मिला प्यार कभी भुलाया नहीं जा सकता।
-प्रो. रुकमणी, टेक्निकल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु।

एएमयू को लीडरशिप एकेडमिक प्रोग्राम का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वेस्ट यूपी में एएमयू एक मात्र संस्थान है। इसके लिए एमएचआरडी के आभारी हैं। सरकार के प्रोजेक्ट को सफल बनाया जा रहा है। उच्च शिक्षा में पहली बार इस तरह का प्रयास किया गया है।
-प्रो. अब्दुर रहीम किदवई, निदेशक, यूजीसी, एचआरडी सेंटर।